आरती श्री साईं बाबा की- सुरेश वाडेकर

धुन- आरती कीजै हनुमान लल्ला की

आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की ॥
जा के कृपा, विपुल सुखकारी,
दुःख शोक, संकट भयहारी,,,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की ।
^
शिर्डी में, अवतार रचाया ।
चमत्कार से, तत्व दिखाया ।
कितने भक्त, शरण में आए,
वे सुख़ शांति, निरंतर पाए,,,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की ।
^
भाव धरे जो, मन में जैसा ।
साईं का, अनुभव हो वैसा ।
गुरु की उदी, लगावे तन को,
समाधान, लाभत उस तन को,,,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की ।
^
साईं नाम, सदा जो गावे ।
सो फ़ल जग में, शाश्वत पावे ।
गुरुवासर, करे पूजा सेवा,
उस पर कृपा, करत गुरु देवा,,,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की ।
^
राम कृष्ण, हनुमान रूप में ।
दे दर्शन, जानत जो मन में ।
विविध धर्म के, सेवक आते,
दर्शन कर, इच्छित फ़ल पाते ।
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की ।
^

जय बोलो, साईं बाबा की।
जय बोलो, अवधूत गुरु की।
साईं की आरती, जो कोई गावे,
घर में बसी, सुख़ मंगल पावे,,,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की।
^
अनंत कोटि, ब्रह्मांड नायक।
राजा धिराज, योगी राज।
जय जय जय, साईं बाबा की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,,,
आरती श्री, साईं गुरुवर की,
परमानन्द, सदा सुरवर की,
आरती श्री, साईं गुरुवर की ।।।

बोलिए श्री सच्चिदानंद सदगुरु
साईं नाथ महाराज की जय।

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29369/title/aarti-shree-sai-baba-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |